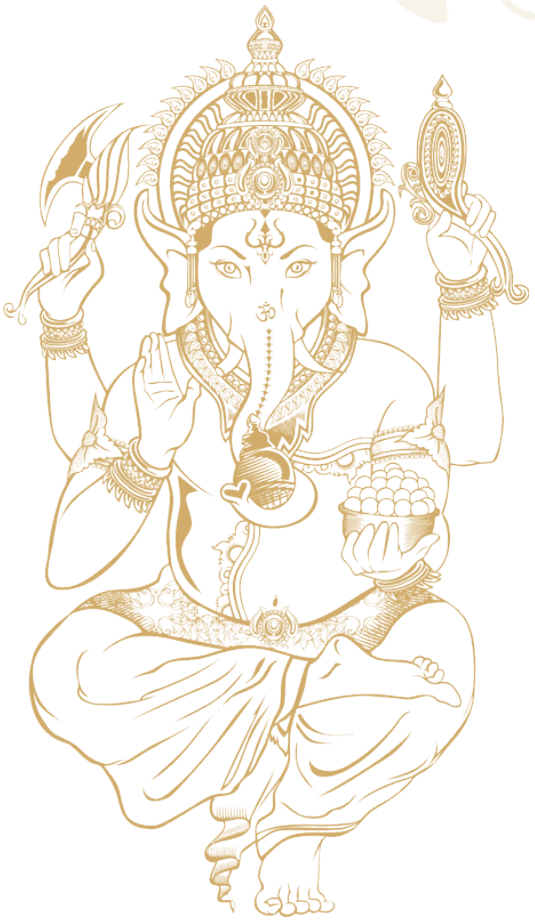

ANKIT

Prerna chaurasia

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121259503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/03/1999	जन्म तिथि	1-02/03/2000
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 23:30:00	जन्म समय	05:35:00 घंटे
घटी 42:19:45	जन्म समय(घटी)	57:08:12 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Mathura
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:30:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:06	सूर्योदय	06:43:43
18:24:30	सूर्यास्त	18:19:41
23:50:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 6मा 11दि	04:17:38	वृश्चि	लग्न	मक	24:33:40	सूर्य 4वर्ष 8मा 12दि
चन्द्र	26:52:02	कुंभ	सूर्य	कुंभ	17:51:34	राहु
21/09/2025	12:19:15	धनु	चंद्र	धनु	29:33:08	13/11/2021
22/09/2035	18:04:53	तुला	मंगल	मीन	20:29:45	14/11/2039
चन्द्र 22/07/2026	10:04:27	मीन	बुध व	कुंभ	17:05:54	राहु 26/07/2024
मंगल 21/02/2027	12:17:32	मीन	गुरु	मेष	09:00:28	गुरु 20/12/2026
राहु 21/08/2028	28:04:00	मीन	शुक्र	मक	21:57:31	शनि 26/10/2029
गुरु 21/12/2029	07:15:07	मेष	शनि	मेष	18:38:03	बुध 14/05/2032
शनि 23/07/2031	27:56:43	कर्क	राहु	कर्क	09:22:50	केतु 02/06/2033
बुध 21/12/2032	27:56:43	मक	केतु	मक	09:22:50	शुक्र 02/06/2036
केतु 22/07/2033	21:00:31	मक	हर्ष	मक	24:20:59	सूर्य 26/04/2037
शुक्र 23/03/2035	09:41:24	मक	नेप	मक	11:32:36	चन्द्र 26/10/2038
सूर्य 22/09/2035	16:39:10	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:59:41	मंगल 14/11/2039

लग्न-चलित

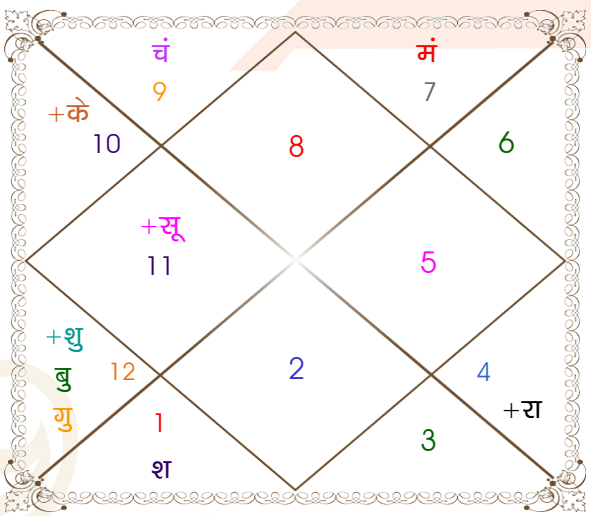

लग्न-चलित

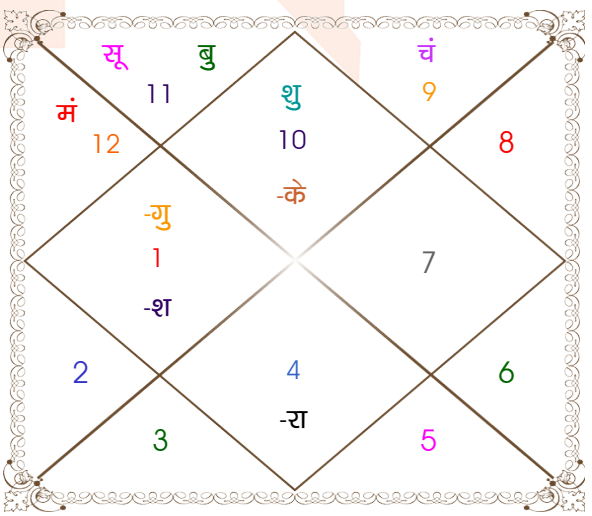

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

।छज्ञप्ज् का वर्ग मूषक है तथा Prerna chaurasia का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।छज्ञप्ज् और Prerna chaurasia का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।छज्ञप्ज् मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।छज्ञप्ज् कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Prerna chaurasia मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Prerna chaurasia कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।छज्ञप्ज तथा Prerna chaurasia में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।